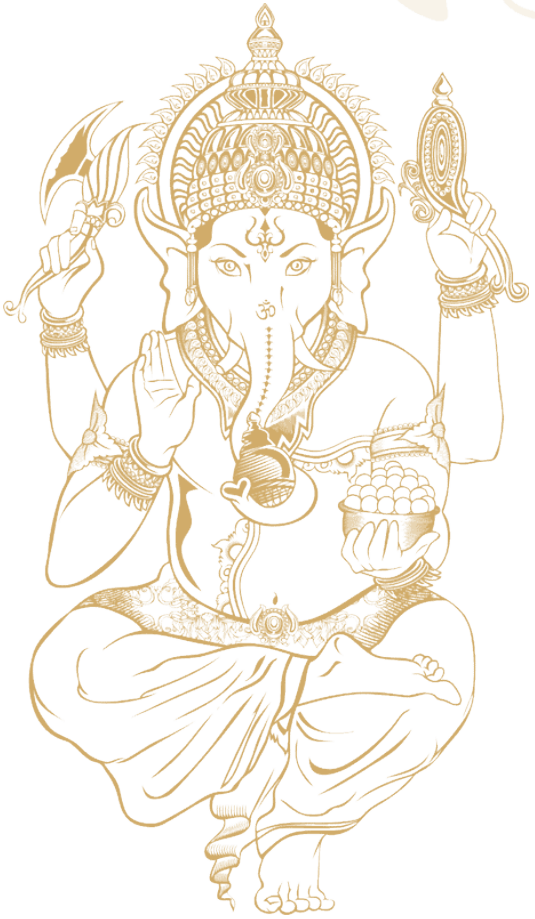

Divyanshu kumar

16 Mar 2006

01:05 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731015

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/03/2006**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:05:09 घंटे**
इष्ट	46:24:03 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:44:01 घंटे
वेलान्तर	-00:09:00 घंटे
साम्पातिक काल	12:17:04 घंटे
सूर्योदय	06:31:31 घंटे
सूर्यास्त	18:29:12 घंटे
दिनमान	11:57:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:07:54 मीन
लग्न के अंश	27:33:16 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	27:33:16	320:11:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
सूर्य			मीन	01:07:54	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	10:13:05	11:56:16	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	19:35:52	00:32:47	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	23:53:59	00:53:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		तुला	24:43:38	00:02:04	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	15:00:48	00:54:47	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	10:49:16	00:02:13	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	10:21:50	00:00:00	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु	व		कन्या	10:21:50	00:00:00	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	17:35:39	00:03:22	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
नेप			मक	24:41:42	00:01:55	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:45:35	00:00:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	10:42:22	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:36

लग्न-चलित

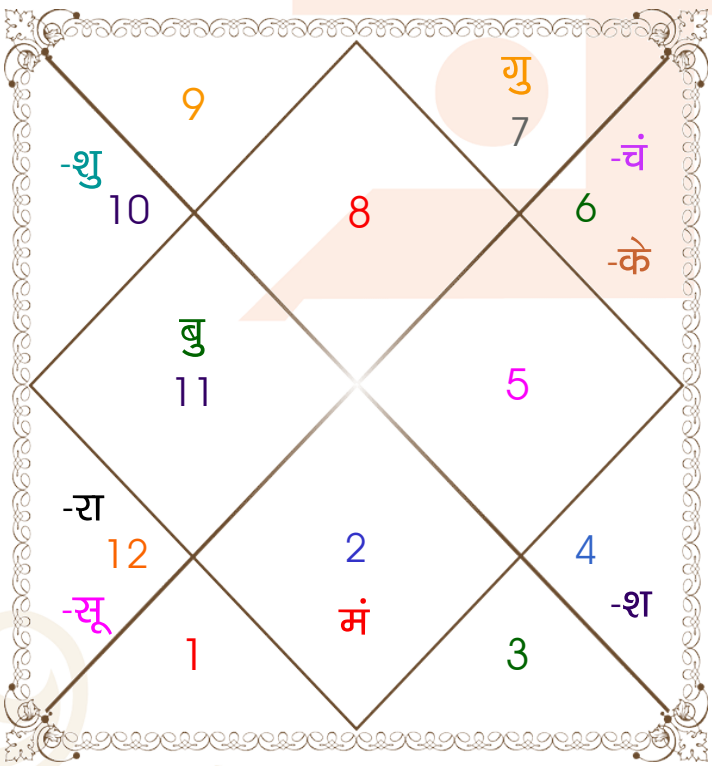

चन्द्र कुंडली

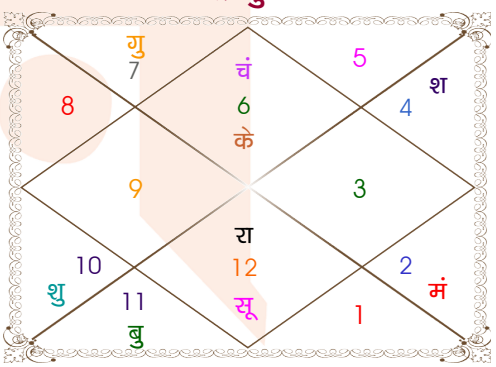

नवमांश कुंडली

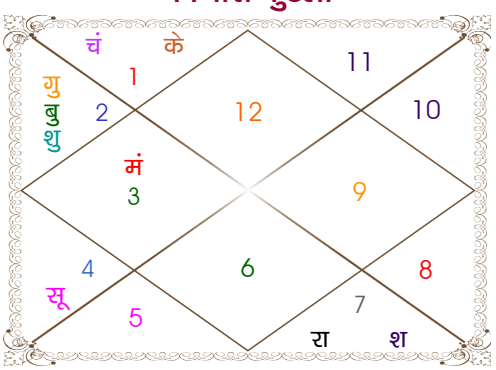

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/03/2006		15/01/2016		15/01/2023		15/01/2041		15/01/2057	
15/01/2016		15/01/2023		15/01/2041		15/01/2057		15/01/2076	
चंद्र	15/11/2006	मंगल	12/06/2016	राहु	27/09/2025	गुरु	05/03/2043	शनि	18/01/2060
मंगल	16/06/2007	राहु	01/07/2017	गुरु	21/02/2028	शनि	15/09/2045	बुध	28/09/2062
राहु	15/12/2008	गुरु	07/06/2018	शनि	28/12/2030	बुध	22/12/2047	केतु	06/11/2063
गुरु	16/04/2010	शनि	17/07/2019	बुध	16/07/2033	केतु	27/11/2048	शुक्र	06/01/2067
शनि	15/11/2011	बुध	13/07/2020	केतु	04/08/2034	शुक्र	29/07/2051	सूर्य	19/12/2067
बुध	16/04/2013	केतु	09/12/2020	शुक्र	03/08/2037	सूर्य	16/05/2052	चंद्र	19/07/2069
केतु	15/11/2013	शुक्र	08/02/2022	सूर्य	28/06/2038	चंद्र	15/09/2053	मंगल	28/08/2070
शुक्र	17/07/2015	सूर्य	16/06/2022	चंद्र	28/12/2039	मंगल	22/08/2054	राहु	04/07/2073
सूर्य	15/01/2016	चंद्र	15/01/2023	मंगल	15/01/2041	राहु	15/01/2057	गुरु	15/01/2076

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/01/2076		15/01/2093		15/01/2100		16/01/2120		16/01/2126	
15/01/2093		15/01/2100		16/01/2120		16/01/2126		00/00/0000	
बुध	13/06/2078	केतु	13/06/2093	शुक्र	18/05/2103	सूर्य	05/05/2120	चंद्र	17/03/2126
केतु	10/06/2079	शुक्र	13/08/2094	सूर्य	17/05/2104	चंद्र	04/11/2120		00/00/0000
शुक्र	10/04/2082	सूर्य	19/12/2094	चंद्र	16/01/2106	मंगल	11/03/2121		00/00/0000
सूर्य	15/02/2083	चंद्र	20/07/2095	मंगल	18/03/2107	राहु	03/02/2122		00/00/0000
चंद्र	16/07/2084	मंगल	16/12/2095	राहु	18/03/2110	गुरु	22/11/2122		00/00/0000
मंगल	13/07/2085	राहु	02/01/2097	गुरु	16/11/2112	शनि	04/11/2123		00/00/0000
राहु	31/01/2088	गुरु	09/12/2097	शनि	16/01/2116	बुध	10/09/2124		00/00/0000
गुरु	07/05/2090	शनि	18/01/2099	बुध	16/11/2118	केतु	16/01/2125		00/00/0000
शनि	15/01/2093	बुध	15/01/2100	केतु	16/01/2120	शुक्र	16/01/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करता है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करते हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपने साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करतें आए हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीते आएं हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगे।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल स्त्री को बहुत पसंद करते हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपकी प्रेमिका बहुत अच्छी तो नहीं है परंतु बड़ी मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहते हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमिका की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आप जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगे। आपको अपनी जीवन संगिनी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकते हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकते हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकते हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।